4.75 लाख करोड़ का आंकड़ा पार करेगा बजट

वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को लेकर सीएम के सामने दिया गया प्रेजेंटेशन

> हांलाकि राज्य सरकार इस मामले में केंद्र से लगातार संवाद बनाए हुए है. बजट प्रेजेंटेशन को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट प्रस्तावों में सभी क्षेत्रों और वर्गों के विकास तथा कल्याण का ध्यान रखा गया है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बजट प्रस्तावों को वर्तमान परिस्थितियों में बेहतर बताते हुए उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के दृष्टिकोण तथा प्रस्ताव तैयार करने में विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा किए गए परिश्रम की सराहना की.

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 10 फरवरी. वित्तीय वर्ष 2026-27 में राज्य सरकार का बजट 4 लाख 75 हजार करोड़ रुपए के आंकड़ को पार कर सकता है. बजट में पिछले वर्ष के मुकाबले लगभग 15 फीसदी की बढ़ोतरी हो सकती है.

वहीं, राजकोषीय घाटे को सरकार 4.50 फीसदी के दायरे में लाने की कोशिश करेगी. राज्य सरकार का बजट 18 फरवरी को विधानसभा में पेश होगा. इससे एक दिन पहले मप्र का आर्थिक सर्वेक्षण भी पेश होगा. नए वित्तीय वर्ष के बजट को लेकर मंगलवार को मंत्रालय में पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सामने प्रेजेंटेशन दिया गया, बाद में पूरी कैबिनेट के सामने अपर मुख्य सचिव वित्त मनीष रस्तोगी ने प्रेजेंटेशन दिया. ये प्रजेंटेशन लगभग एक घंटे तक चला. इस दौरान सभी विभागों से जुड़ी प्रावधानों के बारे में बताया गया. मौजूदा वित्तीय वर्ष का बजट 4 लाख 21 हजार 32 करोड़ रुपए का है. इस हिसाब से देखें तो नये बजट में कम से कम 54 हजार करोड़ से अधिक की बढ़ोतरी होगी. बजट में सबसे अधिक राशि का प्रावधान यदि किसी एक योजना के लिए होगा तो वह मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना होगा, जिसके लिए इस बार राज्य सरकार 21 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि का प्रावधान करेगी. इसी तरह एक बार फिर जल जीवन मिशन के लिए भारी-भरकम राशि का इंतजाम करने की जिम्मेदारी भी राज्य सरकार के कंधे पर होगी, ये इसलिए कि अब तक केंद्र सरकार ने मिशन के तहत हुए कामों का 8 हजार करोड़ रुपए का बकाया केंद्र सरकार से नहीं मिला है.

संगठन को मजबूत करने का आह्वान

विशेष संवाददाता

भोपाल, 10 फरवरी. मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मंगलवार को संगठन सृजन अभियान के तहत राजगढ़ जिले की सारंगपुर विधानसभा में आयोजित पंचायत/वार्ड कमेटी सम्मेलन को संबोधित किया.

उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से पार्टी की विचारधारा को बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने, संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों को जनता के सामने उजागर करने का आह्वान किया. कांग्रेसजनों से संवाद करते हुए पटवारी ने आगामी संगठनात्मक कार्ययोजना की रूपरेखा प्रस्तुत की और कहा कि कांग्रेस पंचायत स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक जनहित के मुद्दों पर संघर्ष को और तेज करेगी. उन्होंने कहा कि केवल मजबूत, अनुशासित और जमीनी स्तर से जुड़ा संगठन ही सत्तारूढ़ पार्टी को प्रभावी चुनौती दे सकता है.

सम्मेलन को प्रदेश संगठन सचिव संजय कामले, प्रदेश प्रशिक्षण प्रभारी महेंद्र जोशी तथा राजगढ़ जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री प्रियव्रत सिंह ने भी संबोधित किया.

> कार्यक्रम में राजगढ़ जिला पंचायत अध्यक्ष चंदर सिंह, शाजापुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष रामनरेश्वर सिंह, पूर्व विधायक रामचंद्र दांगी, बापू सिंह तंवर, हजारीलाल मालवीय, हेमराज कल्पोनी और कृष्ण मोहन मालवीय सहित अनेक वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे. बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सम्मेलन में भाग लिया. मीडिया से चर्चा के दौरान पटवारी ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि अंतरराष्ट्रीय दबाव में सरकार ने भारतीय किसानों के हितों के खिलाफ एक व्यापार समझौता किया है.

दिन में धूप और रात में ठंड

भोपाल, 10 फरवरी. राजधानी भोपाल सहित प्रदेश भर में मंगलवार का मौसम साफ और हल्का गर्म बना रहा. दिन में तेज धूप निकलने से तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि सुबह और रात के समय हल्की ठंड का असर बना रहा.

मौसम विभाग के अनुसार आज शहर का अधिकतम तापमान करीब 29 डिग्री और न्यूनतम तापमान लगभग 16 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया. वहीं पिछले चौबीस घंटों में सभी संभागों में बारिश या विशेष मौसम परिवर्तन दर्ज नहीं हुआ. ग्वालियर और चंबल संभाग में अधिकतम तापमान लगभग दो से ढाई डिग्री तक बढ़ा, जबकि अन्य संभागों में तापमान सामान्य रहा. साथ ही उज्जैन और ग्वालियर संभाग में अधिकतम तापमान सामान्य से लगभग डेढ़ डिग्री अधिक दर्ज किया गया.

न्यूनतम तापमान उज्जैन संभाग में करीब 4 डिग्री तक बढ़ा जबकि अन्य क्षेत्रों में खास बदलाव नहीं हुआ. चंबल संभाग में न्यूनतम तापमान सामान्य से लगभग 2 डिग्री अधिक रहा. मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार फरवरी के महीने राजधानी में दिन गर्म और रात ठंडी रहने का ट्रांजिशन पीरियड चल रहा है. हाल के दिनों में भी दिन का तापमान 29 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया है.

कल और आसपास के क्षेत्रों का मौसम

मौसम विभाग के अनुसार भोपाल समेत मध्य प्रदेश के इंदौर, देवास, उज्जैन, ग्वालियर सहित कई हिस्सों में अगले 24 घंटे मौसम में दिन में तेज धूप, रात में हल्की ठंड महसूस हो सकती है. कुछ क्षेत्रों में हल्की ठंडी हवा चलने की संभावना भी है. वहीं आने वाले दिनों में तापमान धीरे-धीरे बढ़ने की संभावना है. सप्ताह के दौरान अधिकतम तापमान लगभग 30 से 33 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है, जबकि न्यूनतम तापमान 16 से 19 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है.

निकाय और पंचायत चुनाव में आईटी का बेहतर उपयोग करेगा आयोग

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने की समीक्षा बैठक

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 10 फरवरी. मप्र राज्य निर्वाचन आयोग आगामी नगरीय निकाय एवं पंचायत आम निर्वाचन-2027 में सूचना प्रौद्योगिकी का बेहतर उपयोग करेगा. इससे निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराने में मदद मिलेगी.

राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने मंगलवार को इस कार्य की समीक्षा की. उन्होंने कहा कि सभी तैयारियां समय-सीमा में पूरी करें. बैठक में केन्द्र सरकार की संस्था एनआईसीएसआई के प्रतिनिधि ने स्थानीय निर्वाचन में मतदाता, मतदान, ट्रेकिंग टूल, लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक एवं एआई. आधारित मतदाता सूची एवं मतदाता सत्यापन सहित अन्य सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित विषयों पर विस्तार से प्रेजेंटेशन दिया. उन्होंने आयोग के अधिकारियों की शंकाओं का समाधान भी किया. सचिव राज्य निर्वाचन आयोग दीपक सिंह ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग की निर्वाचन प्रक्रिया भारत निर्वाचन आयोग से कुछ अलग है. इसलिए इसे ध्यान में रखकर ऐप बनायें.

दो और जिंदगियां बुझीं, आंकड़ा पहुंचा 35

75 साल के बुजुर्ग ने 40 दिन तक किया मौत से संघर्ष

02 साल की मासूम की लिवर तक बिगड़ी हालत

नव भारत न्यूज

इंदौर, 10 फरवरी. भागीरथपुरा में गंदे और दूषित पानी का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा. सोमवार रात एक बुजुर्ग और मंगलवार सुबह एक मासूम बच्ची की मौत के साथ इस त्रासदी में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 35 तक पहुंच गई है.

जिससे इलाके में दहशत और आक्रोश दोनों चरम पर हैं.

प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार रात 75 वर्षीय शालिग्राम ठाकुर ने बॉम्बे हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया था, परिजनों ने बताया कि 2 जनवरी को उल्टी-दस्त की गंभीर हालत में उन्हें पहले शेल्बी अस्पताल और फिर बॉम्बे हॉस्पिटल रेफर किया था, जहां वे लंबे समय तक वेंटिलेटर पर रहे, करीब 12 दिन पहले छुट्टी मिलने के बाद घर लौटे थे, लेकिन हालत फिर बिगड़ती चली गई.

> शालिग्राम की बेटी मोना बघेल का कहना है कि उनके पिता को वर्षों पहले लकवा जरूर हुआ था, लेकिन इसके अलावा कोई गंभीर बीमारी नहीं थी. अचानक उल्टी-दस्त के बाद से ही तबीयत बिगड़ी और वे संभल नहीं सके. वहीं अस्पताल प्रबंधन का दावा है कि मरीज को पहले से हृदय संबंधी समस्या थी. इधर मंगलवार तड़के करीब 4:30 बजे दो साल की मासूम रिया ने भी इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. परिजन बताते हैं कि 27 दिसंबर को उल्टी-दस्त से बीमार होने पर उसे निजी अस्पताल में दिखाया था, जहां कुछ सुधार हुआ, लेकिन बाद में हालत फिर बिगड़ गई. करीब 15 दिन पहले बच्ची को नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने लिवर से जुड़ी गंभीर परेशानी बताई. बाद में सुपर स्पेशियालिटी हॉस्पिटल रेफर किया गया, लेकिन जान नहीं बच सकी. परिजनों का सीधा आरोप है कि इलाके में आ रहा दूषित पानी ही बीमारी की जड़ है, जिसने मासूम के शरीर को अंदर तक खोखला कर दिया.

अधिकारी की ईडी ने की संपत्ति अटैच

निगम के राजस्व अधिकारी परमार पर हुई कार्रवाई

नव भारत न्यूज

इंदौर. नगर निगम के सहायक राजस्व अधिकारी की ईडी ने संपत्ति अटैच करने की कारवाई की है. निगम अधिकारी के खिलाफ एक साल पहले आर्थिक अपराध शाखा में प्रकरण दर्ज हो चुका है. बताया जा रहा है कि ईडी ने मनी लांड्रिंग की धारा में 1 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति अटैच की है.

नगर निगम के झोन 16 पर पदस्थ रहे सहायक राजस्व अधिकारी राजेश परमार की प्रवर्तन निदेशालय ने 1 करोड़ 6 लाख की संपत्ति अटैच करने की कारवाई की है. परमार के खिलाफ पिछले साल आर्थिक अपराध शाखा ने भी भ्रष्टाचार का प्रकरण बनाया था, जिसमें उनको नौकरी से कुल आय 40 लाख रुपए बनती है. उनके पास 1 करोड़ 66 लाख से ज्यादा संपत्ति मिली है. संपत्ति में एक मकान, फ्लैट, एक प्लॉट, कृषि भूमि और 16 लाख का सोना बरामद किया गया था. सभी संपत्ति परमार के परिवार के सदस्यों के नाम दर्ज है.

आर्थिक अपराध शाखा की कारवाई के आधार पर ही ईडी ने परमार की संपत्ति अटैच की है. ईडी ने परमार के खिलाफ भ्रष्टाचार और मनी लांड्रिंग की धारा में प्रकरण बनाया है.

1 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति की अटैच

पहले ईओडब्ल्यू ने की थी कार्रवाई

गरोठ पुलिस की त्वरित कार्रवाई

गरोठ. मंदसौर पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीणा के निर्देश पर थाना गरोठ पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वृद्ध व्यक्ति पर फायरिंग कर हत्या का प्रयास करने वाले अज्ञात आरोपियों की पहचान कर 24 घंटे के भीतर दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है. अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गरोठ श्रीमती हेमलता कुरील एवं एसडीओपी गरोठ विजय कुमार यादव के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी निरीक्षक हरीश मालवीय के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया. घटना 08-09 फरवरी की रात्रि की है, जब ग्राम बालोदा निवासी गणपतलाल पर अज्ञात बदमाशों ने फायरिंग कर गंभीर रूप से घायल कर दिया.

दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर आज होंगे कार्यक्रम

भोपाल, 10 फरवरी. एकात्म मानववाद के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि 11 फरवरी को पूरे प्रदेश में श्रद्धा भाव से मनाई जाएगी. भाजपा प्रदेश कार्यालय एवं लालघाटी स्थित उनकी प्रतिमा सहित प्रदेश के सभी बूथ स्तरों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे.

इसके साथ ही प्रदेश भर के प्रत्येक बूथ पर पार्टी के वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता सेवा कार्यों में भाग लेकर पं. उपाध्याय को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे. पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर भाजपा के पार्टी पदाधिकारी एवं जिले के जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी कार्यकर्ता प्रात: 9:30 बजे लालघाटी स्थित पं. दीनदयाल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे. इसके बाद, प्रात: 11 बजे भाजपा प्रदेश कार्यालय में पार्टी पदाधिकारी पं. दीनदयाल जी की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे.

कृषि जगत

फरवरी में गेहूं की फसलों का ऐसे रखें ध्यान

फरवरी का महीना गेहूं की फसल के लिए बेहद नाजुक माना जाता है. इस समय खेतों में गेहूं की बालियां निकल रही होती हैं या दाना भरने की प्रक्रिया, जिसे दूधिया अवस्था कहा जाता है, शुरू हो जाती है. यही वह चरण है जब फसल को सबसे ज्यादा देखभाल की जरूरत होती है. अगर इस दौरान तापमान में अचानक बढ़ोतरी हो जाए और तेज हवाएं चलने लगें, तो गेहूं के पौधों के गिरने (लॉजिंग) का खतरा काफी बढ़ जाता है. पौधे गिरने से दाना भराव प्रभावित होता है और पैदावार में 20 से 30 फीसदी तक की कमी आ सकती है.

- सही समय करें सिंचाई- फरवरी महीने में अचानक तापमान बढ़ने के बाद हवाएं तेज चलने लगती हैं. अगर आप खेत में भारी सिंचाई करते हैं और उसी समय तेज हवा चल जाए, तो गीली मिट्टी होने के कारण पौधे जड़ से उखड़कर गिर जाते हैं. इसलिए हमेशा शाम के समय या जब हवा की गति बिल्कुल कम हो, तभी हल्की सिंचाई करें. ऐसे में 'स्प्रिंकलर' (फव्वारा तकनीक) का उपयोग इस समय सबसे सुरक्षित माना जाता है.
- पोटाश और फास्फोरस का इस्तेमाल- फरवरी महीने में गेहूं फसल जिस अवस्था होती है. इस समय नाइट्रोजन का अधिक इस्तेमाल हानिकारक हो सकता है क्योंकि इससे पौधा लंबाई में ज्यादा बढ़ता है और कमजोर होकर गिर जाता है. इसलिए इस समय सही मात्रा में पोटाश और फास्फोरस का स्प्रे करें, क्योंकि पोटाश तने को मजबूती देता है और दानों को वजनदार बनाता है, जिससे पौधा हवा के थपेड़ों को सहने की शक्ति रखता है.
- बोरॉन का करें छिड़काव- फरवरी महीने में गेहूं की फसल में दाना बनते समय बोरॉन की कमी से बालियां सूख सकती हैं या दाने छोटे रह सकते हैं. ऐसे में किसान फसलों में बोरॉन का छिड़काव कर सकते हैं. इससे परागण में मदद मिलता है और पौधे की कोशिकाओं को लचीला बनाता है.

आम के बौर में लग सकते हैं ये खतरनाक कीट

खेती के बाद बागवानी किसानों के लिए बेहतर आय का सबसे सशक्त माध्यम बनकर उभरी है. फल उत्पादन के कुल क्षेत्रफल में से लगभग एक-तिहाई हिस्सा अकेले आम की बागवानी के अंतर्गत आता है. उत्तर प्रदेश से लेकर कन्याकुमारी तक, आपको हर राज्य में आम के छोटे-बड़े बाग देखने को मिल जाएंगे. आम की विभिन्न किस्में जैसे दशहरी, लंगड़ा, चौसा और अल्फांसो न केवल देश में बल्कि विदेशों में भी लोकप्रिय हैं.

अगेती बौर को झुलसा रोग से बचाएं - आम के बागों में कभी-कभी समय से पहले यानी 'अगेती बौर' निकल आता है. इस नाजुक बौर पर 'झुलसा रोग' का खतरा सबसे अधिक होता है. यह रोग मुख्य रूप से फफूंदी के कारण फैलता है और इसके संक्रमण से फूल और छोटे-अविकसित फल समय से पहले ही झड़कर गिरने लगते हैं. विशेषज्ञों के अनुसार, जब वातावरण में नमी या आर्द्रता 80 प्रतिशत से अधिक हो जाती है या बेमौसम बारिश होती है, तो यह रोग अत्यंत आक्रामक हो जाता है. इससे किसानों को गंभीर आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है. इसके बचाव के लिए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मैन्कोजेब और कार्बेन्डाजिम के 0.2 घोल 2 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें. इसके अलावा, ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन और टेबूकोनाजोल के मिश्रण का 0.025 फीसदी घोल भी इस रोग को रोकने में अत्यंत कारगर साबित होता है.

बौर में लग सकते हैं ये खतरनाक कीट- जनवरी का पहला सप्ताह आते ही आम के बागों में 'गुजिया कीट' की हलचल शुरू हो जाती है. यह कीट जमीन से रेंगकर पेड़ के तनों के जरिए बौर तक पहुँचता है और रस चूसकर उन्हें सुखा देता है. इसके प्रभावी नियंत्रण के लिए 'संशोधित ट्री-बैंडिंग' सबसे अच्छी तकनीक है. इसके लिए 1 किलो चिकनी मिट्टी में 250 ग्राम पी.ओ.पी. और 50 मिलीलीटर जला हुआ मोबिल तेल मिलाकर एक गाढ़ा पेस्ट तैयार करें. इस पेस्ट की 2-3 इंच चौड़ी पट्टी पेड़ के तने पर चारों तरफ लगाएं. इसके ऊपर पॉलीथीन की शीट या सेलो टेप को इस तरह लपेटें कि मिट्टी की पट्टी बीच में रहे. इसे सुतली से कसकर बांध दें ताकि कीट ऊपर न चढ़ सकें. अगर कीट पहले ही बौर तक पहुँच चुके हैं, तो डायमेथोएट 1.5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी) का छिड़काव करना चाहिए ह

बौर को अधिक क्षति करने वाला कीट- आम के पुष्प गुच्छों को नुकसान पहुंचाने वाला 'मिज कीट' एक बेहद खतनाक कीट है. हालांकि इसका प्रकोप जनवरी से जुलाई तक बना रहता है, लेकिन सबसे अधिक क्षति यह बौर और नन्हे फलों को पहुंचाता है. इस कीट के आक्रमण की पहचान बौर के डंठल, पत्तियों की नसों या कोमल तनों पर काले धब्बों से की जा सकती है.

पशु प्रसव के बाद गर्भाशय संक्रमण पहचानें

गाय-भैंस के पहली बार गाभिन होने पर पशुपालक बेहद उत्साहित रहते हैं. लेकिन प्रसव के बाद एक चिंता भी बनी रहती है—कहीं पशु दोबारा गाभिन न हो पाए. पशु विशेषज्ञों के अनुसार, कई मामलों में प्रसव के बाद गर्भाशय में संक्रमण (यूटराइन इन्फेक्शन) हो जाता है, जो आगे चलकर बांझपन की बड़ी वजह बन सकता है. सही समय पर पहचान और इलाज से इस समस्या को आसानी से रोका जा सकता है. प्राकृतिक रूप से गाय-भैंस हर साल बच्चा दे सकती है, लेकिन प्रसव के बाद लापरवाही, खराब खुराक और संक्रमण के कारण प्रजनन क्षमता प्रभावित हो जाती है.

72 घंटे में जरूर पहचानें ये लक्षण

प्रसव के बाद शुरुआती तीन दिन बहुत महत्वपूर्ण होते हैं. इस दौरान ये संकेत दिखें तो सावधान हो जाएं:

- पूंछ के आसपास चिपचिपा मवाद दिखाई देना
- मवाद फटे दूध जैसा, गाढ़ा सफेद या लालपन लिए
- पूंछ के पास मक्खियों का भिनकना
- बैठने पर मवाद का बाहर निकलना
- पीछे की ओर जोर लगाना, जलन के संकेत
- बुखार आना
- भूख कम होना और दूध कम/बंद होना

यह स्थिति गर्भाशय में मवाद (पस) बनने का संकेत है, जो कुछ मिली से लेकर कई लीटर तक हो सकता है. प्रसव के दो महीने तक संक्रमण का खतरा बना रहता है.

खुशबू से भरी रहेगी बगिया

आजकल लोगों में गार्डनिंग का शौक तेजी से बढ़ रहा है. अब लोग सिर्फ सब्जी और फलदार पौधों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि अपने घर और बगीचे की सुंदरता बढ़ाने के लिए फूलों को भी प्राथमिकता दे रहे हैं. इनमें भी गुलाब की अलग-अलग किस्में सबसे ज्यादा पसंद की जा रही हैं, क्योंकि यह रंग, खुशबू और शान—तीनों का बेहतरीन संगम है.

शहरों में भी अब लोग अपने घर के गार्डन में फूल लगाना काफी पसंद कर रहे हैं. इससे न केवल बागवानी का शौक पूरा होता है, बल्कि घर भी फूलों की खुशबू से महक उठता है. अगर आप भी अपने घर या बगीचे में गुलाब लगाना चाहते हैं, तो ये तीन खास किस्में आपके लिए बेहतरीन विकल्प साबित हो सकती हैं.

डच रोज किस्म- डच रोज देखने में बेहद आकर्षक और बड़े आकार के फूलों वाली किस्म है. इसमें खुशबू नहीं होती, लेकिन इसके रंग और आकार इतने सुंदर होते हैं कि यह सजावट और गार्डन की शोभा बढ़ाने के लिए सबसे ज्यादा पसंद की जाती है.

आबरा का डाबरा गुलाब- यह किस्म अपनी चितकबरी (दो रंगों वाली) पंखुड़ियों के कारण खास पहचान रखती है. इसकी बनावट गार्डन को अलग और आकर्षक लुक देती है. कम देखरेख में भी यह अच्छी तरह बढ़ती है, इसलिए नए गार्डनिंग शौकीनों के लिए उपयुक्त है.

पुणे वाला डबल डिवाइन गुलाब- यह गुलाब अपनी मनमोहक खुशबू के लिए जाना जाता है. इसके बड़े आकार के फूल कई रंगों में मिलते हैं. खुशबू पसंद करने वालों के लिए यह पहली पसंद बनता जा रहा है और घर-गार्डन की सुंदरता कई गुना बढ़ा देता है.

जरूरी गार्डनिंग टिप्स

- समय-समय पर मिट्टी की गुड़ाई करें
- गोबर की खाद, वर्मी कम्पोस्ट या संतुलित उर्वरक दें
- ठंड में ज्यादा पानी देने से बचें, सुबह हल्की सिंचाई करें
- पोटाश और फास्फोरस पौधों को मजबूत बनाते हैं
- छंटाई है बेहद जरूरी
- सर्दियों से पहले सूखी और रोगग्रस्त टहनियों की कटाई-छंटाई करें.